राखी का त्यौहार

रंग-बिरंगा सजा वतन में, राखी का बाजार
बांध रही राखी बाबा को, दादीजी गुल्ज़ार
डायमण्ड राखी बाबा देते, बच्चों को उपहार
ये मन भावन, महीना श्रावण, राखी का त्यौहार

स्नेह की सूचक, स्नेह सूत्र ये, भाई-बहन का प्यार
शुभ भावना, शुभ कामना, मन में श्रेष्ठ विचार
दृढ़ प्रतिज्ञा पवित्रता की, राखी यादगार
ये मन भावन, महीना श्रावण, राखी का त्यौहार

राखी कहती राजा बन वश, रखो पांच विकार
सिर ना उठा पाये कोई भी, माया का परिवार
सम्बन्धों को मधुर बनाती, और मीठा व्यवहार
ये मन भावन, महीना श्रावण, राखी का त्यौहार

स्वर्ग बनाती इस भारत को, सोने का संसार
रामराज्य के सपने को ये, करती है साकार
ये रूहानी राखी, राजतिलक का है आधार
ये मन भावन, महीना श्रावण, राखी का त्यौहार

सच्ची राखी आज बांधने, सबको है दरकार
हो सन्यासी राजा रानी, प्रजा और सरकार
रहस्यमई और राज भरी, ना धागों का ये तार
ये मन भावन, महीना श्रावण, राखी का त्यौहार

ब्र.कु. सत्यनारायण ज्ञान सरोवर आबू पर्वत